RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

# क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 02 अंकः 136, मंगलवार, 11 जून, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बदलेगी लोकसभा की सूरत, आडवाणी-जोशी की जगह नए दिग्गज

**नई दिल्ली।** सत्रहवीं लोकसभा में जहां कई नए चेहरों की भरमार होगी, वहीं संसदीय राजनीति के कई दिग्गज लोकसभा में नहीं होंगे। इसका असर लोकसभा की पहली वरिष्ठ नेताओं वाली पहली पंक्ति पर भी पड़ेगा, जिसमें पिछली लोकसभा के लगभग आधे चेहरे नहीं होंगे। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा, लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज व मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे प्रमुख नेता शामिल हैं। जिन नए नेताओं को जगह मिलेगी उनमें गृहमंत्री अमित शाह, कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद व भारी उद्योग मंत्री अरंवद सावंत प्रमुख हैं। आडवाणी, जोशी व सुषमा स्वराज के चुनाव न लड़ने से पहली पंक्ति की सीटें खाली हुई है। प्रधानमंत्री के साथ वाली सीट पर रक्षा मंत्री राजनार्थ सह बैठेंगे या गृह मंत्री अमित शाह यह स्पष्ट नहीं है। अन्य में नितिन गडकरी व सदानंद गौड़ा पहली पंक्ति में रहेंगे। रविशंकर प्रसाद व नरेंर्द्र सह तोमर को पहली पंक्ति में जगह मिल सकती है।

**लोकसभा की सूरत बदलेगी**

17वीं लोकसभा के 17 जून से शुरू हो रहे सत्र में सदन की सूरत काफी बदली हुई दिखेगी। संख्या बल के हिसाब से पहली पंक्ति की 20 सीटों में 13 सीटें एनडीए के हिस्से में आएंगी। एक सीट लोकसभा उपाध्यक्ष के लिए होगी। बाकी छह सीटों में दो कांग्रेस को और एक-एक द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के हिस्से में आएगी।

**कई बड़े नेता नहीं दिखेंगे**

सदन में कई बड़े नेता नजर नहीं आएंगे। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी व सुषमा स्वराज ने चुनाव नहीं लड़ा। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा, अन्नाद्रमुक नेता वेणुगोपाल, कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे चुनाव हार गए हैं। केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। ऐसे में पहली पंक्ति में पिछली लोकसभा आधे चेहरे ही मौजूद रहेंगे।

## बढ़ती अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बेहतर भारत के निर्माण की गारंटी: मोदी

**मोदी दो देशों की यात्रा के बाद तिरुपति पहुंचे हैं उन्होंने राज्य भाजपा द्वारा रेनीगुंटा में आयोजित धन्यवाद जन सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही उन्होंने कहा कि उन्हें देश के 130 करोड़ लोगों पर भरोसा है**

**तिरुपति।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि लोगों की बढ़ती अपेक्षाएं और आकांक्षाएं जैसा कि हाल के लोकसभा चुनाव परिणामों में दिखाई दिया है, वह बेहतर भारत के निर्माण की गारंटी है। मोदी ने कहा,'' हमें जो प्रचंड जनादेश मिला है उसे देखते हुए कुछ लोग सोचते हैं कि आकांक्षाएं और अपेक्षाएं (सरकार पर) बढ़ गई हैं। वे यह भी अचरज करते हैं कि मोदी क्या कर सकता है। हमें इसे एक बड़े अवसर की तरह देखना चाहिए। मैं इसे बेहतर भारत की गारंटी के तौर पर देखता हूं।'' मोदी दो देशों की यात्रा के बाद तिरुपति पहुंचे हैं। उन्होंने राज्य भाजपा द्वारा रेनीगुंटा में आयोजित धन्यवाद जन सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के 130 करोड़ लोगों पर भरोसा है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि उनके योगदान और समर्थन से हम देश को नयी दिशा दे सकते हैं।'' मोदी ने अक्टूबर 2019 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और 2022 में देश के आजादी की 75वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए कहा कि दो बेहतरीन पर्व आने वाले समय में देश के सामने है। उन्होंने कहा,''अगर 130 करोड़ भारतीय में से प्रत्येक एक कदम आगे बढ़ाए तो देश भी कई कदम आगे बढ़ जाएगा।'' उन्होंने भारत के 130 करोड़ लोगों के सपनों को समझने के लिए भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद मांगा और कहा कि केन्द्र और राज्य को इसे पाने के लिए साथ मिल कर काम करना चाहिए और नए भारत का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर प्रोक्ष रूप से तंज करते हुए कहा कि कुछ लोग चुनावी खुमारी से अभी तक बाहर नहीं निकल सके हैं। मोदी ने कहा,''हमारे लिए यह समाप्त हो चुका है। अब हमारा पूरा ध्यान विकास और जनता के कल्याण में है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

### मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ईडी के समक्ष हुए पेश

**नई दिल्ली।** पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल कथित करोड़ों रुपये के उड्डयन घोटाले से एयर इंडिया को हुए घाटे को लेकर चल रही धन शोधन जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने बताया कि पटेल यहां सुबह करीब साढ़े दस बजे एजेंसी के समक्ष पेश हुए। उनका बयान धन शोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया जाएगा।

## सीएम अमरिंदर से तनातनी के बीच राहुल गांधी से मिले नवजोत सिंह सिद्धू

**नई दिल्ली।**

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। बता दें कि पंजाब में सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ सिद्धू की लगातार चली आ रही सियासी रस्सकशी के चलते ही मुख्यमंत्री ने सिद्धू का विभाग बदल दिया है। आज सिद्धू ने दिल्ली राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अहमद पटेल से मुलाकात की। नवजोत सिद्धू ने राहुल गांधी के साथ अपनी मुलाकात के बारे में ट्वीट कर लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की, उन्हें अपना पत्र सौंपा, स्थिति से अवगत करवाया हालांकि सिद्धू ने इस चिट्ठी में क्या लिखा है और उनकी राहुल गांधी से क्या बात हुई इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। उनके एक सहयोगी ने सिद्धू के अगले कदम को लेकर लगाए जा रहे कयास के बीच मंत्री के बारे में कुछ भी खुलासा करने से इनकार कर दिया। दरअसल, मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह से तकरार के बीच गुरुवार को पंजाब कैबिनेट फेरबदल में सिद्धू से स्थानीय शासन, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग वापस ले लिया गया। उन्हें ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग सौंपा गया। कैबिनेट की एक बैठक से सिद्धू के दूर रहने के कुछ घंटों बाद यह फेरबदल किया गया, जिसमें ज्यादातर मंत्रियों के विभाग बदल दिए गए। हालांकि, सिद्धू ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास पर मीडिया से बात करने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के लिए उनके विभाग को सार्वजनिक रूप से निशाना बनाया गया। इस बीच, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने सिद्धू का विभाग बदले जाने पर एक ट्वीट में तंज किया, और अब सिद्धू को ऊर्जा (विभाग) दिया गया है ताकि सिद्धू बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ग्रामीण इलाकों में भी यही नतीजे हासिल कर सकें। वहीं, दूसरी ओर आम आदमी पार्टी विधायक अमन अरोड़ा ने ऊर्जा मंत्री बनने पर सिद्धू को बधाई दी और पिछली शिअद-भाजपा सरकार के दौरान निजी ताप विद्युत संयंत्रों के साथ किए गए बिजली खरीद के तीन समझौतों की समीक्षा करने का अनुरोध किया।

## चाचा-भतीजे के बीच खटास दूर कराने आगे आए मुलायम, नहीं बनी बात, अब उपचुनाव का इंतजार

**नई दिल्ली।**

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की, पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और अलग हो चुके शिवपाल सिंह यादव को फिर से एक साथ लाने की कोशिशों को अंजाम तक पहुंचाने के लिये पार्टी को विधानसभा उपचुनाव का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक, पुत्र अखिलेश और भाई शिवपाल के बीच खटास दूर करने की मुलायम सिंह की शुरुआती कोशिश, चाचा भतीजे की दरार पाटने में कामयाब नहीं रही। मुलायम की पहल पर पैतृक गांव सैफई में अखिलेश और शिवपाल की मुलाकात जरुर हुयी, लेकिन शिवपाल ने सपा में अपनी पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के विलय से फौरी तौर पर इंकार कर दिया है। मुलायम परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि शिवपाल ने विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रसपा के मिलकर चुनाव लड़ने का विकल्प सुझाया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 12 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

भाजपा के नौ और सपा एवं बसपा के एक एक विधायक के लोकसभा चुनाव जीतने तथा हमीरपुर से भाजपा विधायक अशोक सिंह चंदेल का निर्वाचन रद्द होने के कारण, इन सीटों पर उपचुनाव की घोषणा का इंतजार है। चुनाव आयोग ने हत्या के एक मामले में चंदेल को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाये जाने के कारण विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया है। लोकसभा चुनाव में सपा का जनाधार दरकने के कारण पूरे परिवार की राजनीतिक विरासत पर उपजे संकट को लेकर मुलायम सिंह ने पिछले सप्ताह शिवपाल को दिल्ली बुलाकर चर्चा की थी। चुनाव में यादव वोटबैंक के बिखराव से अखिलेश का 'सपा बसपा गठबंधन' प्रयोग नाकाम होने में प्रसपा की भूमिका के मद्देनजर, मुलायम सिंह ने शिवपाल से पारिवारिक टकराव खत्म करने को कहा है।

## जेडीयू का गठबंधन पर बड़ा बयान, कहा-बीजेपी ने धारा 370 हटाई तो भी नहीं तोड़ेंगे गठबंधन

**भाजपा धारा 370 को हटाने की कोशिश करती है, तो जेडीयू गठबंधन में रहकर अपना विरोध दर्ज करायेगी**

**पटना।**

जेडीयू धारा 370, राम मंदिर और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर पुराने रुख पर कायम है। लेकिन भाजपा धारा 370 को हटाने की कोशिश करती है, तो पार्टी गठबंधन खत?म नहीं करेगी, बल?कि साथ में रहकर अपना विरोध दर्ज करायेगी। यह कहना है पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी का है। जो जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि धारा 370 पर करार तभी हुआ था, जब राजा हरि सिंह ने भारत सरकार के साथ पैक्ट किया था, इसको नरम करने की कोशिश भाजपा से ज्यादा कांग्रेस की ओर से की गयी है। हम इसके लिए कांग्रेस को ज्यादा कसूरवार मानते हैं, जब कांग्रेस की ओर से इसकी कोशिश की गयी थी, तो लोक नायक जय प्रकाश नारायण ने इसका विरोध किया था। हम उनके वंशज हैं और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही राम मंदिर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कोर्ट के फैसले की बात कही है, ऐसे में गुंजाइश कहां बचती है। जेडीयू महासचिव ने राम मंदिर मुद्दे को लटकाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगाया और कहा कि जब प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के नेतृत्व में सरकार चल रही थी, तो पूरा मसौदा तैयार हो गया था। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पास चंद्रशेखर जी ने पूरे मसौदे को भेजा था, तो उसे लागू करने के लिए तीन-चार दिन रुक जाने की बात राजीव गांधी ने कही थी, लेकिन उसके बाद दो-तीन में चंद्रशेखर की सरकार ही गिर गयी।

केसी त्यागी ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने साफ कहा है कि हम अपने रुख पर कायम हैं। उससे किसी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने का प्रचार किया जा रहा है, इसके पीछे कथित महागठबंधन के नेता है, लेकिन हम पूरी तरह के कहना चाहते हैं कि जेडीयू एनडीए के साथ है और 2020 में बिहार में होनेवाले विधानसभा के चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतूत्व में चुनाव लड़ेगा। इसमें किसी तरह का कंफ्यूजन नहीं है। इसके साथ ही ये भी तय है कि पार्टी अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी, क्योंकि हमारा दल संख्या के आधार पर ही भागीदारी चाहता था।

## देश को हिला देने वाले कठुआ कांड पर आया फैसला, 7 आरोपियों में से 6 दोषी करार

**नई दिल्ली।** जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले आठ साल की एक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और उसके बाद हत्या के मामले में विशेष अदालत में सुनवाई हुई दिसमें 7 आरोपियों में 6 को अदालत ने दोषी करार दिया गया हैं। दीपक खजुरिया, प्रवेश कुमार, तिलकराज,आनंद दत्ता, सुरेंद्र, सांझी राम को कोर्ट ने इस केस में दोषी पाया और आरोपी सांझी राम के बेटे विशाल को अदालत ने बरी कर दिया गया है। अभी इन आरोपियों को क्या सजा दी जाएगी ये साफ नहीं हुआ हैं केस पर अभी भी सुनवाई जारी है। कठुआ गेंगरेप मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। जिसके बाद इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने हस्ताक्षेप किया था। जिसके बाद इस मामले पर सुनवाई जम्मू कश्मीर से बाहर पड़ोसी राज्य पंजाब के पठानकोट में जिला और सत्र अदालत में पिछले साल जून में की थी। क्राइम ब्रांच की चार्ज सीट के अनुसार पिछले साल 10 जनवरी 2018 को जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के रसाना गांव में आठ साल की बच्ची को अपहरण कर दिया गया था। उसके बाद इस बच्ची को एक धार्मिक स्थल पर कैद करके 4 दिनों तक प्रताड़ित किया गया और 7 लोगों ने मिल कर आठ साल की मासूम के साथ बारी-बारी से बलात्कार किया। और अंत में लाठी से पीट-पीट कर बच्ची की हत्या कर दी गई।

## प.बंगाल में हिंसा पर केंद्र ने जारी की एडवाइजरी, ममता सरकार बोली, 'स्थिति नियंत्रण में हैं'

**कोलकाता।**



पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने केन्द्र को एक पत्र लिख कर कहा है कि राज्य में लोकसभा चुनाव के बाद झड़प की छिटपुट घटनाएं हुई हैं, लेकिन स्थिति ''नियंत्रण में'' है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसा में शनिवार को चार लोगों के मारे जाने के बाद केंद्र ने रविवार को दिन में एक परामर्श जारी किया था, जिस पर राज्य सरकार ने यह जवाब दिया है। राज्य के मुख्य सचिव मलय कुमार डे ने गृह मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा है, ''हिंसा के सभी मामलों में बिना किसी देरी के कड़ी और उचित कार्रवाई की गई।'' उन्होंने लिखा, ''कुछ असमाजिक तत्वों ने चुनाव बाद झड़प की छिटपुट घटनाओं को अंजाम दिया। कानून प्रवर्तन अधिकारी ऐसे सभी मामलों में बिना किसी देरी के कड़ी एवं उचित कार्रवाई करते हैं।'' पत्र में कहा गया है कि उत्तर 24 परगना जिले के नाजट पुलिस थाना क्षेत्र के तहत हुई इस ताजा घटना में भी मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। वह भी इस परिस्थिति में जब क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल सड़कों पर और आस-पास के क्षेत्रों में व्यस्त हैं। पत्र में कहा गया कि स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी परिस्थिति में इसे राज्य में कानून का शासन बनाए रखने में कानून लागू करने वाले तंत्र की नाकामी नहीं समझा जाना चाहिए।'' इससे पहले, दिन में केन्द्र ने राज्य सरकार को परामर्श जारी किया था। पश्चिम बंगाल सरकार को दिये परामर्श में गृह मंत्रालय ने उससे कानून व्यवस्था और शांति बनाये रखने को कहा। परामर्श में कहा गया है, ''पिछले कुछ हफ्तों से राज्य में बगैर उकसावे के हो रही हिंसा राज्य में कानून व्यवस्था बनाये रखने और जनता में विश्वास कायम करने में राज्य के कानून प्रवर्तन तंत्र की नाकामी प्रतीत होती है।

## शिवसेना का सरकार पर तंज, विजय का आनंदोत्सव खत्म हो गया, अलीगढ़ की दर्दनाक घटना की तरफ देखें

**मुंबई।**

शिवसेना के अपने मुखपत्र सामना में यूपी के अलीगढ़ में ढाई साल की बच्ची की हत्या के मामले को लेकर केंद्र की मोदी सरकार और यूपी की योगी सरकार पर तंज कसा है। सामना में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लिखा गया है कि विजय का आनंदोत्सव समाप्त हो गया हो तो अलीगढ़ में हुए दर्दनाक कांड की तरफ देखना चाहिए। सामना में लिखा गया है कि उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सिर्फ 10 हजार रुपए के लिए ढाई साल की बच्ची की निर्मम हत्या कर दी गई। पूरे देश में इसे लेकर आक्रोश की लहर है। कुछ लोगों ने परंपरानुसार निषेध की मोमबत्तियां जलाई हैं। अक्षय कुमार, अनुपम खेर, अभिषेक बच्चन और सानिया मिर्जा जैसी 'उत्सव' मंडली ने इस घटना के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया है।

शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में आगे लिखा है कि अक्षय कुमार ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा है 'मैं भयभीत और निराश हूं। ये वो दुनिया नहीं है, जो हम अपने बच्चों के लिए बनाना चाहते थे।' यही पूरे देश की भावना है। सामना में लिखा है कि कांग्रेस के शासनकाल में 'निर्भया कांड' हुआ। उस समय जिन लोगों ने संसद नहीं चलने दी और महिला अत्याचार के विरोध में सरकार को कठोर कानून लागू करने के लिए मजबूर किया, वही लोग आज सत्ता में बैठे हैं। इसलिए वर्तमान सत्ताधारियों की जिम्मेदारी बड़ी है। लोगों के मन में इस प्रकार का असमंजस है। अलीगढ़ प्रकरण में लोग रास्ते पर उतर आए हैं। अलीगढ़ बार काउंसिल ने आरोपी के वकीलनामे को स्वीकार करने का विरोध किया है, यह ठीक है। अलीगढ़ में एक छोटी बच्ची की हत्या होती है। वह देश की बेटी है, यह भावना महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख लोगों ने इस घटना पर निषेध व्यक्त किया है। इसके कारण उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस पर दबाव बढ़ा है। ढाई साल की बच्ची गायब हो गई उस समय पुलिस ने मामला दर्ज करने में टालमटोल की और जांच भी देरी से शुरू की। उस बच्ची के माता-पिता ने आत्महत्या की धमकी दी तब पुलिस ने दौड़-भाग शुरू की और दो संदिग्धों को पकड़ा।

## हार पर समीक्षा के लिए ओडिशा कांग्रेस ने छह टीमों का किया गठन

**भुवनेश्वर।** ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में अपने खराब प्रदर्शन से निराश कांग्रेस ने इसके कारणों का पता लगाने और आगामी चुनाव की तैयारी के लिए छह टीमों का गठन किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता नरसिंह मिश्रा ने रविवार को बताया कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित तथ्यान्वेषण समिति ने शनिवार को एक बैठक की और तय किया कि सभी छह टीमें इस महीने के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। पिछली विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे मिश्रा ने बताया कि छह टीमों को पांच जिलों की पूर्ण समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि इन टीमों के सदस्य प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करेंगे और सभी पार्टी उम्मीदवारों, सभी स्तरों के कार्यकर्ताओं, आम लोगों और बुद्धिजीवियों से मुलाकात करेंगे तथा पार्टी की पराजय के कारण पता लगाएंगे।

## फसलों के अवशेष से तैयार होगा बॉयोडीजल, पर्यावरण प्रदूषण पर लगेगी लगाम

**पालमपुर।**

फसलों के अवशेष (पराली) से अब बॉयोडीजल बनाने की तैयारी की जा रही है। इससे ना सिर्फ वायु प्रदूषण कम होगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। यह संभव होगा हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर की बदौलत। इस संस्थान के विशेषज्ञों ने बॉयोडीजल बनाने की तकनीक तैयार की है। हालांकि, शुरुआती दौर में इसकी लागत अधिक है लेकिन विशेषज्ञ इसे कम करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। देश के बड़े राज्यों में फसलों के अवशेषों को खेतों में ही जला दिया जाता है। इससे वातावरण प्रदूषित होता है और स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है। पर्यावरण को होने वाले इस नुकसान को चुनौती मानते हुए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआइआर) के पालमपुर स्थित हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान ने विशेष परियोजना के तहत फसलों के अवशेषों से बॉयोडीजल तैयार करने में कामयाबी हासिल की है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में किसान बड़े स्तर पर खेतीबाड़ी करते हैं और यहां फसलों के अवशेषों को खेतों में ही जला देते हैं। इससे पर्यावरण दूषित होता है।

**ऐसे तैयार किया जाता है बॉयोडीजल**

मक्का, धान, गेहूं और गन्न फसलों के अवशेषों को बारीक बनाकर पाउडर में परिवर्तित किया जाता है और इसमें 5 हाइड्रोक्सी मेथिल फुरफुराल (5-एचएमएफ) यानी कार्बनिक मिश्रण मिलाया जाता है। इससे ही बॉयोडीजल तैयार किया जाता है। इसे गाड़ियों में इस्तेमाल करने से इंजन की कार्य क्षमता बढ़ती है।साथ ही गाड़ियों से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में भी कमी आती है।

**क्या है बॉयोडीजल ?**

बायोडीजल जैविक स्रोतों से प्राप्त और डीजल के समतुल्य ईंधन है, जो परंपरागत डीजल इंजनों को बिना परिवर्तित किए ही चला सकता है। भारत का पहला बॉयोडीजल संयंत्र ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से काकीनाड़ा सेज में स्थापित किया गया है।

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर के निदेशक डॉ. संजय कुमार के मुताबिक, %बॉयोडीजल बनाने में संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसकी लागत को किस प्रकार कम किया जाए, यह चुनौती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए ही इस प्रोजेक्ट को लिया है। किसानों से कच्ची सामग्री लेकर उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

संपादकीय

## उम्र की लंबाई

कोई आखिर कितना जी सकता है? जीवन से परेशान लोग यह सवाल पूछें, तो उनकी दिक्कत समझी जा सकती है। पर यह ऐसा सवाल है, जिसे इन दिनों वैज्ञानिक भी पूछ रहे हैं। लंबी उम्र जीने वालों का इतिहास बहुत लंबा है। शतायु होना हमारे यहां सिर्फ मुहावरा नहीं है, इसके कई उदाहरण प्राचीन से वर्तमान दौर तक मिल जाते हैं। यह ठीक है कि आम बोलचाल में हम अक्सर यह कह देते हैं कि आज का दौर सेहत के लिए उतना अच्छा नहीं, जितना कि बीता हुआ समय था। प्रदूषण वगैरह को देखते हुए कुछ हद तक यह बात सही भी है, लेकिन पूरी तरह सही नहीं है। सच यही है कि भारत समेत दुनिया भर में औसत उम्र लगातार बढ़ रही है। इसका श्रेय किसी और को नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को ही है। औसत उम्र का यह बढ़ना कई तरह से है। एक तरफ तो बाल मृत्यु-दर कम हो रही है, दूसरी तरफ अधिकतम शतायु होने वालों की संख्या भी बढ़ी है। एक दौर था, जब 110 साल की उम्र तक पहुंचते ही यह मान लिया जाता था कि जीवन की संध्या वेला आ गई है। पर अब इस उम्र से भी आगे जीने वालों की संख्या बढ़ रही है। अभी तक सबसे ज्यादा जीने का श्रेय फ्रांस की महिला ज्यां कामेंट को दिया जाता था, जिनका 122 साल की उम्र में 1997 में निधन हुआ था। लेकिन अब इंडोनेशिया के बॉ गोथो के बारे में माना जाता है कि वह 145 बरस की उम्र पार कर गए हैं। पिछले दिनों डेनमार्क विश्वविद्यालय के तीन विशेषज्ञ यह जानने में जुटे कि इंसान की उम्र का अंतिम प्राकृतिक पड़ाव क्या है? इसे समझने के लिए डेनमार्क एक महत्वपूर्ण देश है, क्योंकि उसमें और उसके पड़ोसी स्वीडन में औसत उम्र सबसे ज्यादा है। डेनमार्क में तो शतायु लोगों की आबादी छह फीसदी तक पहुंच गई है। इन विशेषज्ञों ने इसका श्रेय वहां की स्वास्थ्य सेवा को दिया, पर यह भी कहा कि 125 साल को उम्र की अंतिम सीमा माना जा सकता है। वैसे दुनिया के अन्य विशेषज्ञों के आकलन भी इसी के आस-पास ठहरते हैं। इलियन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जे ओलशंस्की के अनुसार, आदर्श स्थितियों में एक इंसान जितना जी सकता है, उम्र को उससे आगे सामान्य तौर पर नहीं खींचा जा सकता। अगर ऐसा करना है, तो हमें एक नए विज्ञान की जरूरत होगी। वैसे विज्ञान की कुछ शाखाएं इंसान को हमेशा के लिए अमर कर देने की कोशिश भी कर रही हैं, लेकिन वह एक अलग मामला है। यहां मामला यह है कि इंसान का शारीरिक तंत्र उसे कितनी लंबी उम्र तक जीने की इजाजत देता है या प्रकृति ने उसे कितने लंबे समय तक जीने के लिए बनाया है। यह सच है कि हर इंसान ज्यादा से ज्यादा जीना चाहता है। साहित्य और लोकोक्तियों में जब जिंदगी के लिए चार दिनों की उपमा दी जाती है, तो आशय यही होता है कि यह बहुत छोटी है, इसे और लंबा होना चाहिए। ऐसा तो नहीं कि इंसान की ज्यादा जीने की यह लालसा ही उसकी उम्र को लगातार बढ़ा रही हो? प्रोफेसर ओलशंस्की ऐसा नहीं मानते। उनका अध्ययन बताता है कि भले ही पिछली एक सदी में औसत उम्र 30 साल बढ़ी, पर जैविक तंत्र में कोई ऐसा बदलाव नहीं हुआ कि हम ज्यादा जी सकें। आइए हम फिर लौटते हैं बॉ गोथो की तरफ। कुछ समय पहले उन्होंने एक पत्रकार से कहा था कि जीवन का अनुभव बहुत हो गया, अब मरने का अनुभव लेना चाहता हूं।

## ट्वीट

टाइमलाइन

**उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार पत्रकार प्रशांत कनौजिया की टाइमलाइन देखी। यकीनन कई ट्विटें आपत्तिजनक, उत्तेजक हैं। मुख्यमंत्री योगी वाली भी। लेकिन लोकतंत्र और प्रेस की आजादी के हित में उसकी गिरफ्तारी का विरोध करता हूं। उसे फौरन छोड़ा जाना चाहिए। आलोचना को सहन करना ही लोकतांत्रिकता है।**

राहुल देव वरिष्ठ पत्रकार

# आनुवंशिक शोध की भारतीय पहल

मुकुल व्यास

भारत के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में रहने वाले करीब 1000 युवाजनों के जीन-समूह को क्रमबद्ध किया जाएगा। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के नेतृत्व में चलाए जाने वाले इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य छात्रों की नई पीढ़ी को जीन-विज्ञान की उपयोगिता से अवगत करना है। ग्रेगोर मेंडल ने 1965 में वंशानुक्रम के दो नियम खोजे थे, जिन्हें मेंडल के नियम भी कहा जाता है। लगभग 91 वर्ष बाद 1953 में जेम्स वाटसन, फ्रांसिस क्रिक, मॉरिस विल्किन्स और रोजालिंड फ्रेंकलिन ने दुनिया को डीएनए मॉलिक्यूल के गूढ़ अर्थ के बारे में समझाया। इस मॉलिक्यूल में हमारी आनुवंशिक जानकारी जमा रहती है जो माता-पिता से बच्चों में हस्तांतरित होती रहती है। डीएनए कोड को पढ़ने में कामयाबी मिलने के बाद वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार करना शुरू किया कि क्या मनुष्य के डीएनए में जमा सूचना के आधार पर हरेक व्यक्ति के लिए अलग से दवा निर्मित की जा सकती है। 1953 में मानव जीन-समूह से इस तरह की सूचनाओं को निकालना असंभव था लेकिन हाल के वर्षों में जीनों को क्रमबद्ध करने में तकनीकी प्रगति के बाद ऐसा करना संभव हो गया है। 2001 में मानव जीन-समूह (जीनोम) प्रोजेक्ट और उसके प्राइवेट प्रतिद्वंद्वी, सेलेरा जीनोमिक्स ने समूचे जीन-समूह को क्रमबद्ध करके दिखा दिया। दुनिया में अनेक देशों ने अपने नागरिकों के नमूने के जीन-समूहों को क्रमबद्ध करना आरंभ किया है ताकि उनके जीनों की विशिष्टताओं तथा रोगों से लड़ने की क्षमताओं या रोगों के प्रति उनकी कमजोरियों को निर्धारित किया जा सके। यह पहला अवसर है जब विस्तृत अध्ययन के लिए भारतीय आबादी के एक बड़े नमूने को शामिल किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट दरअसल सरकार द्वारा प्रस्तावित एक बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत कम से कम 10,000 भारतीय-समूहों को क्रमबद्ध किया जाएगा। जीन-समूहों के नमूना संग्रह के लिए जिन लोगों को सम्मिलित किया गया है, वे देश की आबादी की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें ज्यादातर कॉलेजों में पढ़ने वाले ऐसे छात्र-छात्राएं शामिल हैं जो जीव-विज्ञान या उससे संबंधित विषयों का अध्ययन कर रहे हैं। सीएसआईआर के इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के एक वैज्ञानिक का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत महज लोगों के नमूने ही नहीं एकत्र किए जाएंगे, हम ज्यादा से ज्यादा कॉलेज छात्रों के पास जाएंगे और उन्हें जीनोमिक्स के बारे में शिक्षित करेंगे। हम एक ऐसा सिस्टम भी बनाएंगे, जिसके जरिए वे अपने जीन-समूहों द्वारा दी गई जानकारी हासिल कर सकेंगे। अभी जीनोमिक्स भारत की घनी शहरी आबादी तक ही सीमित है लेकिन नए कार्यक्रम से इस तरह की जानकारियों का लाभ गांववासियों को भी मिलेगा। आज भारत में जिस तरह लोग सीटी स्कैन के बारे में जानते हैं, ठीक उसी तरह वे जीन-नक्शों की उपयोगिता को भी समझने लगेंगे। जीन-समूहों को रक्त के नमूनों से क्रमबद्ध किया जाएगा। इसके लिए वैज्ञानिक अधिकांश राज्यों में कम से कम 30 शिविर लगाएंगे। जिस व्यक्ति के जीन क्रमबद्ध किए जाएंगे, उसे एक रिपोर्ट दी जाएगी। नमूने देने वाले व्यक्ति को ऐसे जीनों के बारे में बताया जाएगा, जिनकी मौजूदगी से कुछ दवाएं कम असर करती हैं। मसलन, एक खास जीन की मौजूदगी से कुछ लोगों पर क्लोपिडोग्रेल नामक दवा का असर कम होता है। दिल के दौरे या पक्षाघात को रोकने के लिए यह दवा दी जाती है। आईजीआईबी के वैज्ञानिक ने कहा कि हम रिपोर्ट में इस तरह की जानकारी को साझा नहीं करेंगे। कुछ मामलों में जीन और बीमारी के बीच संबंध काफी कमजोर होता है। अमुक व्यक्ति इस तरह की जानकारी के लिए अपने डॉक्टर के माध्यम से अनुरोध कर सकता है क्योंकि अनेक रोग एक जीन की वजह से होते हैं और उनका कोई इलाज संभव नहीं है। नैतिकता का तकाजा यह है कि इस तरह की सूचनाएं सिर्फ उपयुक्त परामर्श के बाद ही साझा की जानी चाहिए। इस प्रोजेक्ट में हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) को भी शामिल किया जाएगा। प्रोजेक्ट पर 18 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जीनों को क्रमबद्ध करने का काम आईजीआईबी और सीसीएमबी में किया जाएगा। आईजीआईबी के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के जरिए यह साबित हो जाएगा कि भारत भी संपूर्ण जीन-समूह को क्रमबद्ध करने में सक्षम है। मानव जीन-समूह में करीब 3.2 अरब बेस पेयर होते हैं। दस साल पहले जीन-समूह को क्रमबद्ध करने की कीमत करीब दस हजार डॉलर थी। अब यह लागत प्रति व्यक्ति 1000 डॉलर हो गई है और यह निरंतर कम हो रही है। हम भारतीय आबादी के नमूने को एकत्र करके नई जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। मसलन, विकसित देशों में डायरिया इंफेक्शन के मामले बहुत कम होते हैं। एक सवाल यह पूछा जा सकता है कि क्या इसमें जीनों की भी कोई भूमिका है। मानव जीन-समूह को क्रमबद्ध किए जाने के बाद व्यक्ति विशेष के जीन-समूह और बीमारी के बीच रिश्ते को समझने का अवसर मिला है। थैलेसीमिया और सिस्टिक फाइब्रोसिस जैसी करीब दस हजार बीमारियां एक अकेले जीन की गड़बड़ी से उत्पन्न होती हैं। जीनों की मौजूदगी से कुछ दवाएं बेअसर हो सकती हैं। जीनों को क्रमबद्ध करके कैंसर जैसे रोगों को आनुवंशिकी के दृष्टिकोण से बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। आनुवंशिक अनुसंधान के लिए भारत के पास समुचित वैज्ञानिक संसाधन मौजूद हैं। जीन-विज्ञान में क्रांति से भरपूर लाभ उठाने के लिए भारत को अपनी आबादी की आनुवंशिकी के बारे में सूचनाएं एकत्र करनी होंगी और इन्हें ठीक से समझने के लिए जनबल को भी प्रशिक्षित करना होगा। आनुवंशिक दृष्टि से भारत ज्यादा विविध है। यहां करीब 5000 जातीय, भाषाई और धार्मिक समूह हैं, जिनकी कुछ अलग आनुवंशिक विशिष्टताएं हैं, जिनकी पहचान के लिए एक बड़े सर्वे की आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

## अप्प दीपो भवः

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भगवान तो वह है, जो सारे विश्व में छाया हुआ है, सारे नियमों की एक न्यायिक व्यवस्था बनाता है। वे एक तरह के नियम हैं, कायदा और कानून हैं, जिसको हम परम ब्रह्म कहते हैं। एक और भी ब्रह्म है? अंग्रेजी में इसको सुपरकान्शस (सुपर चेतन) कहते हैं। वेदांत की भाषा में इसको ''स्व'' कहा गया है, आत्मा कहा गया है। आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यः मन्तव्यः निदिध्यातिसव्यः। इसका अर्थ है कि ''अरे लोगो! अपने आप को जानो, अपने आपको समझो। अपने आपको सुधारो, अपने आपको ठीक करो।' यह काम कैसे हो सकता है, भला? यह बतानेवाला कोई स्कूल है? स्कूल में तो इसकी पढ़ाई अब कहीं होती नहीं। तो फिर किससे पढ़ें? कौन बतावेगा? एक ही उपाय बचता है, अपने आप पढ़ा जाए। जाना जाए। इसमें अपने आपसे क्या मतलब? अपने आपसे मतलब है-सुपर चेतना से, जो हमारे भीतर है, जिसके बारे में शुरू में बताया गया है। भीतर के अन्तःकरण में व्यक्तित्व है, जिसमें कि गुण, कर्म और स्वभाव भरे पड़े हैं, जिसमें विास और मान्यताएं भरी पड़ी हैं, जिसमें आदतें भरी पड़ी हैं। ये दोनों तरह की हैं-भली और बुरी भी। बस इन आदतों को आपको ठीक करना है। अपनी मान्यताओं में, जिसमें घिनौनेपन घुसे बैठे हैं, उनमें आपको सुधार करना है, शुरू से लेकर अंत तक देख-भाल करनी है, उनको ठीक करना है। आपको आत्मदेव की उपासना करनी है। उपासना के बारे में जो हम कल कह रहे थे, वास्तव में वह आपका आत्मदेव है। अपने आपकी उपासना किया कीजिए। अपने आपकी उपासना जो कर लेते हैं, वह अपने आप ही, अपनी साधना से ही, अपने ही दबाव से भगवान बना लेते हैं। मीरा ने अपने ही दबाव से पत्थर को गिरिधर गोपाल बना लिया और एकलव्य ने अपने दबाव से ही मिट्टी के पुतले को द्रोणाचार्य बना दिया था और रामकृष्ण परमहंस ने अपने ही व्यक्तित्व के दबाव से पत्थर को काली बना दिया था। अपने आपका, व्यक्तित्व का उजागर होना और स्वच्छ, निर्मल होना-ये बहुत बड़ी बात है। इसके लिए आपको क्या करना चाहिए? चौबीसों घंटे आपको ध्यान रखना चाहिए। क्या ध्यान रखना चाहिए? यह कि हमारा जीवन किस तरीके से ठीक बन सकता है? आपको अपने कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए। आपको अपने ज्ञान को परिष्कृत करना चाहिए और अपनी भक्ति-भावना का विकास करना चाहिए।

# आज का राशिफल

**मेष** व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मिथुन** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

**कर्क** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**कन्या** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृश्चिक** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**मकर** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

**कुम्भ** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

# सपनों को पंख देता कोरा कागज

अंतर्मन/ रेनू सैनी

जैसे ही बच्चा थोड़ा समझदार होता है, वह कागज़ के संपर्क में आता है। अखबार, पत्र-पत्रिकाएं, पुस्तकें, कॉपी, स्लेट आदि के साथ खेलने लगता है। कागज़ हर बच्चे के बचपन का वह खिलौना है, जिसे खिलौना कभी माना ही नहीं जाता। कागज़ बच्चे से लेकर बड़ों को जीवन की जो अमूल्य सीख देता है, वो करोड़ों रुपए खर्च करके भी प्राप्त नहीं की जा सकती। जब बच्चे बारिश में कागज की कश्ती बहाते हैं तो उनकी सोच को विस्तार मिलता है। जब वे कागज़ को हवाई जहाज का रूप देते हैं तो उनके सपनों में पंख लग जाते हैं और जब कागज फूलों का रूप लेते हैं तो वे उनके तन-मन को प्रफुल्लित कर देते हैं। हाल ही में यूरोप के देश आस्ट्रिया के शहर साल्जबर्ग में कागज के हवाई जहाज उड़ाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 61 देशों के 380 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अमेरिका के विद्यार्थी जैक हार्डी ने 56 मीटर तक अपने कागज के जहाज को उड़ाकर इस प्रतियोगिता में बाजी मारी। कागज के जहाज उड़ाने की प्रतियोगिता के पीछे क्या उद्देश्य होना चाहिए? आज के व्यस्त जीवन में लोगों के पास समय का बेहद अभाव है। अब कागज की अधिकतर वस्तुएं डिजिटल होती जा रही हैं। जैसे ई बुक, ई अखबार, ई पत्रिकाएं आदि। बेशक इन सबसे ज्ञान तो बराबर मात्रा में प्राप्त होता है लेकिन जो आनंद पुस्तकों के पन्ने पलटने में, कॉपी पर आढ़ी-टेढ़ी रेखाएं बनाने में और कागज पर चित्र बनाने में है, वह कहीं नहीं। कागज ही हर बच्चे की पहली पाठशाला होता है। कागज पर आढ़ी-टेढ़ी रेखाएं बनाकर, 'क', 'ख', 'ग' को उलटा-सीधा लिखकर ही हर व्यक्ति बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त करता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जो बच्चे कागज़ के अधिक संपर्क में रहते हैं, उसके माध्यम से तरह-तरह के कार्य करते हैं, ऐसे बच्चों का मानसिक विकास तेजी से होता है। ऐसे बच्चे आगे चलकर महान लेखक, चित्रकार और कलाकार बनते हैं। जब तक डिजिटल साधनों का आविष्कार नहीं हुआ था, तब कागज ही हर तरह के संदेश का एक जरिया होता था। दूर सीमा पर खड़ा जवान कागज़ पर ही अपने हृदय के भावों और परिवार वालों से दूरी के दर्द को बयां कर पाता था। कागज ही प्रेमी-प्रेमिका के प्रेम के इजहार का मुख्य माध्यम था। कागज ही कलाकार की कला को मांजता है, तराशता है। सदियों पहले एगॉस्टिनो नामक एक युवा इतालवी मूर्तिकार के स्टूडियो में संगमरमर की एक विशाल शिला लाई गई। एगॉस्टिनो ने उसे देखकर सोचा कि इसे तराशकर भव्य मूर्ति गढ़ी जा सकती है। उन्होंने अपनी छैनी और हथौड़ी से उस शिला पर प्रहार किए लेकिन उन्हें उस शिला का संगमरमर बेहद कठोर लगा। काफी देर प्रयास करने के बाद उन्होंने हार मान ली और निराश होकर उसको अपने स्टूडियो के पीछे के हिस्से में रखवा दिया।

समय बीतता गया। वह शिला धूमिल होती गई। चालीस साल बाद एक दिन माइकल एंजेलो ने उस शिला को एक खंडहरनुमा कचरे के ढेर और खरपतवार के बीच में देखा। उसे देखकर उन्हें आकर्षण-सा महसूस हुआ। उन्होंने उसको निकलवा कर अपने स्टूडियो में रखवा लिया। उन्होंने बार-बार उस शिला को माप-जांचा। इसके बाद छेनी और हथौड़ी से उसकी जांच की। सालों पुरानी वह शिला अब भी कठोर थी। उन्होंने उसे एक मूरत का स्वरूप देने का दृढ़ निश्चय कर लिया। वे उसको तराशने में लगे रहे। लोगों को लगता कि एक पुरानी शिला ने माइकल एंजेलो को पागल कर दिया है। लगभग तीन साल बाद माइकल एंजेलो ने संगमरमर की उस शिला को अंतिम रूप दिया। अब वह शिला डेविड की मूर्ति बन चुकी थी। आज भी डेविड की मूर्ति माइकल एंजेलो की बेजोड़ अनुपम कृति है। माइकल एंजेलो ने अपने दृढ़ निश्चय से वह कर दिखाया जो एगॉस्टिनो नहीं देख पाए थे। माइकल एंजेलो ने साबित कर दिया था कि लगातार प्रयास और मेहनत से अनगढ़ से अनगढ़ शिला को भी बोलती मूरत में परिवर्तित किया जा सकता है। जब उनसे 40 वर्ष पुरानी शिला को 'डेविड' जैसी अप्रतिम मूरत में गढ़ने का श्रेय देने को कहा गया तो वे बोले-कागज़ पर मैंने मूरत को अनगिनत रूप दिए, तब कहीं जाकर उसका स्वरूप बना। कागज़ वह शक्तिशाली हथियार है, जिसका सही इस्तेमाल करके व्यक्ति पूरे विश्व को बदल सकता है। कागज के महत्व को जानें, समझें और इसे बचाने की कोशिश करें। पेड़ कट रहे हैं, इसलिए कागज की दुनिया सिमट रही है। वह डिजिटल प्लेटफॉर्म का रूप ले रही है। लेकिन जिस तरह मां की जगह कोई नहीं ले सकता, उसी तरह कागज का स्थान भी कोई नहीं ले सकता। कागज के साथ जुड़ें, सबको जोड़ें और इसे बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। ये व्यक्ति का ऐसा साथी है जो उसके तनाव को कम करता है और उसकी बुद्धि को लगातार विकसित करता रहता है।

# कीमतों में स्थिरता की वजह से बिकने लगने हैं लग्जरी फ्लैट, स्टॉक घटा

**नई दिल्ली :**

कीमतों में स्थिरता की वजह से लग्जरी घरों की मांग बढ़ रही है। संपत्ति सलाहकार एनारॉक की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल के दौरान बिक नहीं पाए लग्जरी फ्लैटों का स्टॉक 12 प्रतिशत घट गया है। इन फ्लैटों की कीमत डेढ़ से ढाई करोड़ रुपए के बीच है। पिछले कुछ साल के दौरान देश के आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में सुस्ती की वजह से उच्च संपदा वाले लोग (एचएनआई) लग्जरी फ्लैटों के बजाय रियल एस्टेट के बाहर अन्य क्षेत्रों में निवेश कर रहे थे। एनारॉक के चेयरमेन अनुज पुरी ने कहा, ''हमारे ताजा अध्ययन से संकेत मिलता है कि एचएनआई अब लग्जरी आवासीय खंड में सुस्ती का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीमतों में स्थिरता तथा नकदी संकट से जूझ रहे बिल्डरों द्वारा आकर्षक पेशकशों की वजह से लग्जरी आवास खंड में मांग सुधर रही है। पुरी ने कहा कि 2019 की पहली तिमाही में डेढ़ से ढाई करोड़ रुपए के बिना बिके फ्लैटों का आंकड़ा घटकर 42,650 इकाई रह गया जो 2018 की पहली तिमाही में 48,300 इकाई था। मार्च तिमाही के अंत तक मुंबई महानगर क्षेत्र में बिना बिके लग्जरी फ्लैटों की संख्या सबसे अधिक 23,930 इकाई थी। वहीं कोलकाता में यह आंकड़ा सबसे कम यानी 770 इकाई था। बेंगलुरु में एक साल में बिना बिके लग्जरी फ्लैटों की संख्या 49 प्रतिशत घटकर 3,260 इकाई रह गई है जो एक मार्च, 2018 तक 6,370 इकाई थी। इसी तरह कोलकाता में लग्जरी फ्लैटों का स्टॉक 37 प्रतिशत, चेन्नई में 50 प्रतिशत और हैदराबाद में 10 प्रतिशत घटा है। एनसीआर और मुंबई महानगर क्षेत्र में इसमें सात-सात प्रतिशत की कमी आई है।

# 169 अंक की वृद्धि के साथ 39,785 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स

**मुंबई।**

घरेलू शेयर बाजार में सुबह कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हरे निशान पर हुई और कारोबार की समाप्ति पर भी ये बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ है। बढ़त के इस माहौल में कारोबार की समाप्ति पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ( बीएसई ) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 168.62 अंक यानि 0.43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 39,784.52 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के पचास शेयरों वाले निफ्टी में भी कारोबार की समाप्ति पर बढ़त देखने को मिली और ये 52.05 अंक यानि 0.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,922.70 के स्तर पर बंद हुआ। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार की शुरूआत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ( बीएसई ) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 52.05 अंक यानि 0.13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 39,581.77 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 86.18 अंक यानि 0.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 39,615.90 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ( एनएसई ) का पचास शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी कारोबार की शुरूआत में 21.45 अंक यानि 0.18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,865.20 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 26.90 अंक यानि 0.23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,870.65 के स्तर पर बंद हुआ।



# व्यापार में मंदी से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान : पीयूष

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में संरक्षणवादी उपायों को हटाने का आह्वान करते हुए कहा है कि वैश्विक व्यापार एवं निवेश में मंदी से विकासशील और अल्पविकसित देशों को भारी नुकसान हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को जापान में ' व्यापार एवं डिजीटल अर्थव्यवस्था' पर जी 20 देशों की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार एवं निवेश में कमी आने से विकासशील एंव अल्पविकसित देशों के आर्थिक वृद्धि, विकास और रोजगार के अवसरों को भारी हानि उठानी पड़ी है। गोयल ने कहा कि वैश्विक कारोबार में चल रहे तनाव के कारण दुनियाभर में कारोबारी भरोसा घटा है। इससे विकासशील एवं अल्पविकसित देश सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। भारत व्यापारिक तनाव घटाने के सामूहिक प्रयासों का समर्थन करता है और नियम आधारित व्यापार प्रणाली के पक्ष में हैं। नियम आधारित व्यापार प्रणाली निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं समान व्यापार के लिए जरुरी है। उन्होंने जी 20 देशों के व्यापार मंत्रियों ने विश्व व्यापार संगठन की व्यापार प्रणाली को मजबूत करने का अनुरोध किया।

# गूगल ने समाचार कारोबार से 2018 में कमाए 4.7 अरब डॉलर : अध्ययन

**वाशिंगटन।**

गूगल ने पिछले साल पत्रकारों के काम से 4.7 अरब डॉलर की कमाई की। यह कमाई उसने गूगल न्यूज या सर्च के माध्यम से की है। यह मीडिया घरानों की ऑनलाइन विज्ञापन से होने वाली कमाई में भारी कटौती है जो उनकी आय का एक प्रमुख स्रोत है। इसके चलते कई मीडिया घरानों का परिचालन सीमित हुआ या वे बंद हो गए। न्यूज मीडिया अलायंस (एनएमए) की सोमवार को जारी एक रपट में यह जानकारी सामने आयी है। एनएमए अमेरिका के 2,000 से भी ज्यादा अखबारों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था है। गूगल के कारोबार में समाचारों का अहम योगदान है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एनएमए के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी डेविड शेवर्न के हवाले से कहा कि जिन पत्रकारों ने यह कंटेट (लेख एवं वीडियो) तैयार किया उन्हें इस 4.7 अरब डॉलर का कुछ हिस्सा मिलना चाहिए। रपट में कहा गया है कि गूगल ने अपने सर्च और गूगल न्यूज के माध्यम से 2018 में अखबारों और प्रकाशकों के काम से यह कमाई की है। एनएमए ने सावधान किया कि इस अनुमान में गूगल की उस आय का मूल्य नहीं जोड़ा गया है जो उसे किसी उपभोक्ता के किसी एक लेख को पसंद करने या क्लिक करने से हर बार जुटाए जाने वाले निजी जानकारी से होती है। एजेंसी




## संक्षिप्त समाचार

### ईडी के सामने दोबारा पेश नहीं हुईं चंदा कोचर, फिर दिया खराब सेहत का हवाला

**नई दिल्ली:** आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर को सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होना था लेकिन वह ऐसा करने में विफल रहीं। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने बताया कि इसके पीछे उन्होंने खराब सेहत का हवाला दिया है। उन्हें अब इसी सप्ताह पेश होने के लिए कहा जाएगा। गौरतलब है कि कोचर एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सामना कर रही हैं। इसकी जांच निदेशालय कर रहा है। इस मामले में बैंक के साथ वीडियोकॉन समूह भी शामिल है। कोचर पिछले सप्ताह भी खराब सेहत का हवाला देकर निदेशालय के समक्ष पेश नहीं हुई थीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि निदेशालय अब बैंक के कुछ और अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाने पर विचार कर रहा है ताकि वह कोचर के बयानों की पुष्टि कर सके। निदेशालय ने पिछले महीने कई दौर की पूछताछ में कोचर और उनके पति दीपक कोचर के बयान दर्ज किए थे। इसके अलावा निदेशालय कोचर दंपत्ति की संपत्ति का आकलन करने पर भी विचार कर रही है। ताकि वह इन्हें अस्थायी तौर पर धनशोधन रोकथाम कानून के तहत कुर्क कर सके। इस मामले में चंदा कोचर के देवर राजीव कोचर से भी कई बार पूछताछ की जा चुकी है। यह मामला आईसीआईसीआई बैंक से 1,875 करोड़ रुपए का ऋण आवंटित करने में किए गए भ्रष्टाचार से जुड़ा है। मामले में वीडियोकॉन समूह के वेणुगोपाल धूत भी जांच के दायरे में हैं।

### बजट तैयारी: मंगलवार से विभिन्न संगठनों के साथ बैठकें

**नई दिल्ली:** नई मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले बजट की तैयारी के मद्देनजर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विभिन्न संगठनों के साथ बजट पूर्व विचार-विर्मश मंगलवार से शुरू कर रही हैं। मोदी सरकार ने आम चुनाव के मद्देनजर इस वर्ष फरवरी में वर्ष 2019-20 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। अब नई सरकार ने पूर्ण बजट की तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष 05 जुलाई को संसद में बजट पेश किया जायेगा और चार जुलाई को आर्थिक सर्वेक्षण पेश होगा। बजट की तैयारियों के मद्देनजर नॉर्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में सोमवार से आगंतुकों और मीडिया के प्रवेश को बजट पेश किये जाने तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। सीतारमण का यह पहला बजट है। सीतारमण मंगलवार सुबह कृषि और ग्रामीण विकास क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा करेंगी जबकि दोपहर बाद उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श करेंगी।

### जल्द मिलेंगे कटहल के बिस्कुट ,चाकलेट और जूस

**नई दिल्ली:** बाजार में जल्द ही कटहल के बने बिस्कुट, चाकलेट और जूस मिलना शुरु हो जाएगा जो पूरी तरह से प्राकृतिक होगा। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु ने देश में पहली बार कटहल से बिस्कुट, चाकलेट और जूस तैयार करने में सफलता हासिल की है जिसे जल्दी ही बाजार में उतार दिया जाएगा। संस्थान के निदेशक एम आर दिनेश ने बताया कि कटहल के पके फल से बिस्कुट, चाकलेट और जूस तैयार किए गए हैं। कटहल का जूस पूरी तरह से प्राकृतिक है जिसमें न तो चीनी का प्रयोग किया गया है और न ही जूस को अधिक दिनों तक सुरक्षित रखने के लिए किसी रसायन का उपयोग किया गया है। कटहल से तैयार बिस्कुट गजब का है। मानव स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखते हुए इसमें चालीस प्रतिशत मैदे के स्थान पर कटहल के बीज के आटे का उपयोग किया गया है। मैदा के प्रयोग से बिस्कुट में रेसे की मात्रा बहुत कम या नहीं के बराबर होती है जबकि कटहल बीज के आटे के मिश्रण से इसमें रेशे की मात्रा पर्याप्त हो जाती है। बिस्कुट में कटहल के गुदे से तैयार पाउडर, मशरुम, मैदा,चीनी, मक्खन और दूध पाउडर मिलाया गया है। इसी तरह से चाकलेट में कटहल के फल का भरपूर उपयोग किया गया है। इसमें चाकलेट पाउडर का भी उपयोग हुआ है। डा. दिनेश ने बताया कि किसानों को प्रोत्साहित करने की योजना के तहत देश में कटहल की सिद्धू और शंकर किस्म का चयन किया गया है जिसमें लाइकोपीन भरपूर मात्रा में होता है। इन दोनों किस्मों का फल पकने पर ताम्बे जैसा लाल होता है तथा उसका वजन ढाई से तीन किलोग्राम तक होता है। उत्तर भारत में कटहल का फल पकने पर पीला या पीलापन लिए सफेद रंग का होता है। इसका फल पांच किलो से 20 किलोग्राम तक होता है। फलों और सब्जियों के संबंध में मशहूर है कि जो जितना रंगीन होगा वह उतना ही पौष्टिक भी होगा लिहाजा सिद्धू और शंकर का फल कटहल की अन्य किस्मों की तुलना में अधिक स्वास्थ्य वर्द्धक है। इसमें प्रति 100 ग्राम में 6.48 मिलीग्राम विटामिन सी होता है और लाइकोपीन 1.12 मिलीग्राम होता है। इसमें मिठास 31 ब्रिक्स है। कर्नाटक के तुमकुर जिले के किसान एस एस परमेशा ने सिद्धू किस्म को संरक्षित कर रखा है।

# साइबर सुरक्षा चुनौतियों को दूर करने के लिए टेक महिंद्रा, आईआईटी कानपुर ने मिलाया हाथ

**नई दिल्ली :**

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा ने सोमवार को कहा कि उसने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ करार किया। टेक महिंद्रा के साइबर सुरक्षा विभाग के वैश्विक प्रमुख राजीव सिंह ने बयान में कहा, आईआईटी कानुपर के साथ इस भागीदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य साइबर सुरक्षा क्षेत्र में बेहतर अनुसंधान आधारित समाधान स्थापित करना और सहयोग करना है। इस साझेदारी के माध्यम से टेक महिंद्रा आईआईटी कानपुर के छात्रों को वास्तविक उद्योग से रूबरू कराएगा और साइबर क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं पर मिलकर साथ काम करेंगे। आईआईटी कानपुर के निदेशक अभय करंदीकर ने कहा, अनुसंधान क्षमताओं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में आईआईटी कानपुर की स्थिति मजबूत है। मुझे भरोसा है कि टेक महिंद्रा के साथ हमारा सहयोग साइबर सुरक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देगा।

# छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने से बढ़ेगा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में छोटे उद्योगों को व्यापक भागीदारी देने से घरेलू कारोबार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भी इजाफा होगा और रोजगार के ज्यादा अवसर सृजित होंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि गोयल ने कहा कि विकासशील देशों में रोजगार के अवसर सृजित करने तथा आय बढ़ाने में छोटे उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन उद्योगों पर करोड़ों लोगों की आजीविका निर्भर करती है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को जापान में व्यापार एवं डिजीटल अर्थव्यवस्था' पर जी 20 देशों की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेते हुए कहा कि कई देश वैश्विक व्यापार प्रणाली से प्रभावी रुप से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सतत् एवं समग्र रुप से निवेश और व्यापार को प्रोत्साहन दे रहा है। इसके लिए वित्तीय संसाधन एवं मानव संसाधन के बीच संबंधों को समझने की जरुरत है। यह बैठक जी 20 देशों के बीच आपसी व्यापार एवं सहयोग को डिजीटल अर्थव्यवस्था के जरिए प्रोत्साहित करने की संभावना तलाशने के लिए बुलाई गई थी। गोयल ने कहा कि मानव संसाधन एवं वित्तीय संसाधन से संपन्न कुछ विकासशील देशों का समस्त विश्व लाभ ले सकता है। इसके लिए सृजनात्मक, कुशल एवं प्रतिस्पर्धी निवेश पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को मुक्त व्यापर एवं निवेश के लाभ नहीं देने से राष्ट्रों के बीच असमानताएं बढ़ रही हैं। -एजेंसी




# ऑयल इंडिया को मिल सकते हैं 12, ओएनजीसी, वेदांता को नौ-नौ, रिलायंस-बीपी को एक तेल/गैस खंडः सूत्र

**नई दिल्ली।**

सरकारी कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड को ताजी नीलामी में नौ-नौ तेल एवं गैस खंड मिलने वाले हैं। इनके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और इसके ब्रिटिश भागीदार बीपी पीएलसी के हिस्से में वह एक खंड बना रहने वाला है जिसमें वे गैस होने की खोज पहले कर चुके है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय द्वारा अयोजित ताजा नीलामी में 32 तेल एवं गैस खंडों के लिए बोलियां मिली थीं। सूत्रों ने कहा कि इन बोलियों का मूल्यांकन कर लिया गया है। मूल्यांकन के हिसाब से ओएनजीसी और वेदांता नौ-नौ खंडों में सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी हैं जबकि सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड के हिस्से में 12 खंड जाते दिख रहे हैं। रिलायंस और बीपी की संयुक्त बोली ने बंगाल की खाड़ी में स्थित कृष्णा गोदावरी बेसिन के एक खंड के लिए ओएनजीसी को पछाड़ दिया है। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की मंजूरी मिलने के बाद नीलामी में जीतने वालों की घोषणा की जाएगी। इन खंडों के लिए बोली लगाने की समयसीमा 15 मई को समाप्त हो गई। सूत्रों ने कहा कि रिलायंस और बीपी ने लंबे समय बाद पहली बार संयुक्त तौर पर नीलामी में भाग लिया है। इससे पहले दोनों ने लाइसेंस की पुरानी नीति के तहत 2008 में संयुक्त बोली लगाई थी। सूत्रों ने बताया कि नीलामी के इस दौर में ओएनजीसी ने 20 खंडों तथा ऑयल इंडिया ने 16 खंडों के लिए बोली लगाई थी। इनके अलावा वेदांता ने 30 खंडों और इंडियन ऑयल, गेल तथा सुनपेत्रो ने दो-दो खंडों के लिए बोलियां लगाई थीं।

# पेट्रोल-डीजल लगातार पाँचवें दिन सस्ता

नयी दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमत में लगातार पाँचवें दिन गिरावट रही और राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 13 पैसे सस्ता होकर करीब चार महीने के निचले स्तर 70.43 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 11 पैसे सस्ता होकर करीब पाँच महीने के निचले स्तर 64.39 रुपये प्रति लीटर पर आ गया। दिल्ली में पांच जून के बाद से पाँच दिन में पेट्रोल की कीमत में 80 पैसे और डीजल में 1.17 रुपये की गिरावट आ चुकी है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में रविवार को 70.56 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल सोमवार को 70.43 रुपये प्रति लीटर रह गया। यह 14 फरवरी के बाद का इसका न्यूनतम स्तर है। डीजल की कीमत कल के 64.50 रुपये की जगह घटकर 64.39 रुपये प्रति लीटर रह गयी जो 14 जनवरी के बाद का निचला स्तर है। मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी पेट्रोल 13-13 पैसे सस्ता होकर क्रमशः 76.12 रुपये, 72.68 रुपये और 73.17 रुपये प्रति लीटर बिका। डीजल की कीमत मुंबई और चेन्नई में 12-12 पैसे कम होकर क्रमशः 67.51 रुपये और 68.11 रुपये प्रति लीटर रही। कोलकाता में डीजल 11 पैसे सस्ता होकर 66.31 रुपये प्रति लीटर बिका। एजेंसी



# साल 2020 से किसी भी कीमत पर नहीं चलेंगे पुराने वाहन, गडकरी ने दिए संकेत

**नई दिल्ली :**

एक अप्रैल, 2020 से देश की सड़कों पर पुराने वाहनों को किसी भी कीमत पर नहीं चलने दिया जाएगा। इसके लिए सरकार 2018 में लाई गई वाहन कबाड़ नीति को और आकर्षक बनाया जा रहा है। यह संकेत हाल ही में एक इंटरव्यू में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिए हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय ने वाहन कबाड़ नीति के लिए कुछ आवश्यक सुझाव भेजे हैं। इस नीति का इस नीति का मकसद एक अप्रैल 2020 से पुराने वाहनों को अनिवार्य रूप से कबाड़ में बदलने का रास्ता साफ करना है।

**क्या है वाहन कबाड़ नीति**

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 2018 में वाहन कबाड़ नीति का प्रस्ताव बनाया था। इस कबाड़ नीति को मार्च 2018 में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। इस नीति का मकसद 20 साल या इससे अधिक पुराने कॉमर्शियल वाहनों को सड़क से हटाना था। इस नीति के प्रस्तावों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि इससे वाहन प्रदूषण पर भी लगाम लगेगी।

**पुराने वाहन देकर नए वाहन खरीदने पर मिलेगा फायदा**

वाहन कबाड़ नीति में प्रावधान किया गया है कि पुराने कॉमर्शियल वाहनों के जो मालिक अपने वाहनों को देकर नए वाहन खरीदेंगे, उन्हें आर्थिक रूप से फायदा दिया जाए। वाहन कबाड़ नीति में कहा गया है कि 15 साल से ज्यादा पुराने कॉमर्शियल लौटाने वालों को कम से कम 15 लाख रुपए तक के नए कॉमर्शियल वाहन खरीदने पर करीब 5 लाख रुपए तक की छूट दी जाएगी।

**वाहन कबाड़ नीति लागू होने से सड़कों से हटेंगे 2.80 करोड़ वाहन**

सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने इस नीति को स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) के तहत पेश किया है। इस नीति को पेश करते समय गडकरी ने कहा था कि इसके लागू होने का बाद करीब 2.8 करोड़ वाहन सड़कों से हट जाएंगे। इससे वाहन उद्योग में भी 22 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा था कि इससे 10 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिलेगा। इस नीति में 31 मार्च 2005 से पहले खरीदे गए वाहनों को सड़कों से हटाने का प्रस्ताव है।

**सरकारी कंपनी ने महिंद्रा के साथ शुरू किया है पुराने वाहन खरीदने का काम**

देश की बड़ी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने सरकारी कंपनी एमएसटीसी के साथ मिलकर पिछले साल पुराने वाहन खरीदने का काम शुरू किया था। इसके लिए दोनों कंपनियों ने **CERO** नाम से नई कंपनी का गठन किया है। इस कंपनी के तहत पुराने वाहने खरीदने के लिए पहला प्लांट ग्रेटर नोएडा में लगाया गया है। इस योजना के तहत **CERO** आपके घर से पुराने वाहन को ले जाएगी और इसके बदले में आपको वाहन की कीमत भी दी जाएगी। **CERO** इन पुराने वाहनों से स्क्रैप बनाएगी। पुराने वाहन की कीमत उसकी उम्र और हालात के आधार पर तय की जाएगी।

# उधना रेल्वे स्टेशन के सामन आटो और लारी गल्ला वालों का कब्जा

## जीरो दबाण रोड़ पर भी पुलिस एवं एस.एम.सी. द्वारा कोई कार्यवाही नहीं

सूरत। उधना रेलवे स्टेशन पर पार्किंग के कॉन्ट्रेक्टर की मेहरबानी से अवैध रूप से खड़े किए गए अलग-अलग जगहों पर लारी गल्ला वालों के पास से भी रोजाना पैसा वसूल किया जाता है जबकि पार्किंग की जगह पर की जगहों पर अनेक ऐसे असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा रहता है जिससे आने जाने वाले यात्रियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उधना रेल्वे स्टेशन से यात्रियों को आने तथा जाने के लिए बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि हर रोज यूपी.एवं बिहार के लिए जाने वाली ट्रेनों में जाने वाले यात्रियों की जेब काट कर असामाजिकतत्व उनकों मोटी चस लगाते है। यहां हर रोज सेकडों मोबाइल की चोरी की जाती है लेकिन ना तो आर.पी.एफ इस पर कोई कार्यवाही करता है ना ही प्रशासन।

## बालिका सशक्तिकरण के संदर्भ में एन.टी.पी.सी कार्यशाला में बालाओं को कठोर प्रशिक्षण दिया

**सूरत।** सोमवार एन.टी.पी.सी कवास परियोजना में सी.एस.आर. के अन्तर्गत 13 मई से आरम्भ किये गये बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला 2019 का 8 जून 2019 के दिन समाप्त हुआ। बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में देवाशीष दास, महा प्रबंधक उपस्थित थे।

एन.टी.पी.सी कवास सी.एस.आर. के अन्तर्गत आस पास के गामों की सरकारी प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं के सशक्तिकरण करने हेतु 13 मई से 8 जून 2019 तक निवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में मेमोरा, दामका एवं जून गाम के सरकारी प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं ने भाग लिया था। कार्यशाला में बेयर फूट कालेज, एन.जी.ओ. द्वारा बालिकाओं ने बौद्धिक विकास एवं कला गुणों को निखारने हेतु विविध माध्यम द्वारा प्रशिक्षित कर उनकों आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया गया। इस कार्यशाला के बीच बालिकाओं को कम्प्युटर प्रशिक्षण योग,नृत्य एवं संगीत का प्रशिक्षण, बेकार चीजों में से आर्ट एवं क्राफ्ट बनाने की कला, अग्नि, सुरक्षा, स्व सुरक्षा इत्यादि का प्रशिक्षण देकर बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला 2019 के समापन समारोह में बालिकाओं द्वारा अपनी प्रतिभा को उभारते लेडीज क्लब की महिलाओं के सहयोग से एन.टी.पी.सी कवास की रजत जयन्ती आडिटोरियम में नृत्य नाटिका, स्व रक्षा तथा प्रशिक्षण कार्यशाला में शिखाया गया। अन्य हुनर को उन्होंने नृत्य एवं नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया था। समापन कार्यक्रम के बीच बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला दरम्यान विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये कागज के क्राफ्ट, चित्रकला, हस्तकला, वेकार चीजों में से बनाये गये आर्ट इत्यादि का प्रदर्शन किया गया था। महाप्रबन्ध ने इन सभी प्रवृत्तियों की प्रशंसा की थी।

## महिला चिकित्सक ने चौथी मंझिल से कूदकर जान दी

अहमदाबाद । शहर के वस्त्रापुर क्षेत्र में एक महिला चिकित्सक ने अद्वैत कॉम्प्लेक्स की चौथी मंझिल से कूदकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आत्महत्या करने के कारणों की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वस्त्रापुर के सुमेरु बंगलोज निवासी डॉ. मीता मांकड ने दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अद्वैत कॉम्प्लेक्स की चौथी मंझिल से छलांग लगा दी। जानीमानी गायनेक और कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. मीता मांकड अपनी कार में अद्वैत कॉम्प्लेक्स पहुंची थी और बाद में किन्हीं कारणों से चौथी मंझिल से कूद गई।

## सूरत में अलग-अलग तीन स्थलों पर जुआ खेलते 16 व्यक्ति गिरफ्तार

**सूरत।** सोमवार को डी.सी.बी पुलिस, लिम्बायत एवं अडाजण पुलिस ने छापा मारकर जुआ धारा के तहत केस किया है। डी.सी.बी पुलिस ने पुणा रोड़ सुरभी सोसाइटी घर नं. 235 की पहली मजिल पर जुआ खेलते अनन्तराय जानी, दिलीप जानी, मुकेश जोशी मनुदवे बलवन्त जोषी की गिरफ्तारी कर पांच मोबाइल फोन नगद मिलाकर कुल 24,550 की मत्ता जब्त की है।

लिम्बायत पुलिस ने एकता नगर में जुआ खेलते आसिफ अब्दुल मजीद अंसारी, रमजान अब्दुल, अस्तीयाक अंसारी, समीम सलीम, मोहम्मद अली अब्दुला, नियाज अब्दुल की गिरफ्तारी कर नकद 10,670 जब्त किया।

अडाजण पुलिस ने पंचवटी अपार्टमेन्ट के फ्लैट नं. बी/04 में जुआ खेलते दिनेश कांति पटेल, महेन्द्र पवार अरविन्द मफतलाल बसंत सुन्दरवाला, गौतम अमरत जैन को गिरफ्तार कर नकद पांच मोबाइल फोन मिलाकर कुल 97,090 की मत्ता जब्त की है।

## आदर्श मार्केट के व्यापारी पर टोली ने किया हमला, दुकान में की तोड़ फोड़

### चाय की लारी हटाने के सम्बन्ध में हुआ झगड़ा

**सूरत।** सोमवार रिंगरोड़ आदर्श मार्केट-1 में चाय की लारी हटाने के सम्बन्ध में आठ से अधिक लोगों की टोली ने दुकान में घुसकर हमला कर तोड़ फोड़ करने की घटना हुई है। इस टोली ने व्यापारी को मारकर दुकान में भी तोड़ फोड़ की थी। यह घटना गत दिवस दोपहर 1.30 बजे हुई थी। सलाबत पुलिस पुलिस सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार रिंग रोड़ आदर्श मार्केट-1 में ग्राउंड फ्लोर पर दुकान के व्यापारी संदीप गुरुचरण दास शर्मा ने नीलू करिमवाला सहित आठ से अधिक व्यक्तियों के विरुद्ध फरियाद दर्ज करायी है। चाय की लारी हटाने हेतु शत्रुता रखकर आरोपियों ने लकड़े के फटके के साथ दुकान में घुसकर तोड़फोड़ कर फरियादी की भतीजी चेतन शर्मा एवं व्यापारी तरुण जुनेजा को मारकर जान से मारने की धमकी दी है। घटना के संदर्भ में पी.एस.आई. पी.एच. कछवाही ने जांच का कार्य शुरु कर दिया है।

## गुजरात का चक्रवात का संकट: लोगों से सतर्क रहने की अपील

अहमदाबाद । गुजरात पर मंडरा रहे चक्रवात संकट के चलते गांधीनगर में राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकजकुमार की अध्यक्षता में वेधर वॉच समिति की बैठक हुई। सौराष्ट्र और कच्छ में चक्रवात के कारण भारी से अतिभारी बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों की बैठक बुलाई गई। ताकि गुजरात में किसी भी परिस्थिति से निपटने की विभिन्न विभाग संकलन कर सकें। गुजरात से कुल 1760 जितनी बोट फिलहाल समुद्र में हैं। जिसमें सबसे ज्यादा पोरबंदर जिले की 1152 बोट समुद्र हैं और इन बोट पर 251 मछुआरे सवार हैं। सभी मछुआरों को तुरंत किनारे लौटने की हिदायत दी गई है। बैठक में पंकजकुमार ने विभिन्न विभागों को संकलन में रहकर संभावित चक्रवात की स्थिति का सामना करने के लिए एक माइक्रो प्लानिंग तैयार करने का अनुरोध किया। बैठक में मौसम विभाग के जयंत सरकार ने चक्रवात की स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि वेरावल से दक्षणि-अग्नि दिशा में 930 किलोमीटर दूर जो डिप्रेशन बना है।

## तक्षशिला अग्निकांड एवं खटोदरा कस्टोडियल डेथ बहुत ही गंभीर है: शिवानन्द झा

### पुलिस जांच में किसी को छोड़ा नहीं जायेगा

**सूरत।** सोमवार राज्य पुलिस महानिर्देशक शिवानन्द झा गत दिवस सूरत आये थे जहां आज सुबह प्रत्येक पुलिस स्टेशन के क्राइम तथा डिटेक्शन के सन्दर्भ में उन्होंने इंस्पेक्शन कर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक सूचनाये दी ऐसा ज्ञात हुआ है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गुजरात राज्य के डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस (डी.डी.पी) शिवानन्द झा रविवार के दिन सूरत पुलिस भवन में आये थे। जहां आज सुबह शहर पुलिस के विभिन्न पुलिस स्टेशनों तथा विविध विभागों का इंस्पेक्शन किया। उसके बाद रेंज आई.जी. आफिस में पहुंच कर जिला पुलिस स्टेशनं में दर्ज गंभीर अपराधों तथा अपराधों के डिटेक्शन के संदर्भ में इंस्पेक्शन कर पुलिस अधिकारियों को सूचनाये भी दी। पत्रकारों द्वारा सरथाणा स्थित तक्षशिला आर्केड में बनी दुर्घटना में 22 विद्यार्थियों की दु:खद मौत के सम्बन्ध में सरथाणा पुलिस स्टेशन में सापराध मनुष्य वध का अपराध दर्ज किया गया था। अपराध के संदर्भ में प्रगति क्या है? जैसे प्रश्नों के उत्तर में डी.जी.पी. शिवानन्द झा ने बताया कि तक्षशिला आर्केड की अग्नि दुर्घटना बहुत ही दु:खद है। शहर पुलिस कमिश्नर की सूचना एवं निरीक्षक के तहत जांच चल रही है। इस निष्पक्ष जांच में किसी चमरबन्धी को छोड़ा नहीं जायेगा। खटोदरा पुलिस कस्टोडिपल डेथ प्रकरण में उन्होंने बताया कि यह शहर पुलिस एवं शहर के लिए बहुंत ही बड़ी कमनशीब घटना है एवं आरोपियों को त्वरित गिरफ्तार किया जायेगा।

छोटे बालकों पर हो रहे अत्याचारों के संदर्भ में पत्रकारों द्वारा पुछे जाने पर एक प्रश्न के उत्तर में डी.जी.पी शिवानन्द झा ने बताया कि शहर के विभिन्न विस्तारों में बनती ऐसी गंभीर घटनाओं में आरोपियों का आइडेन्टिटी फिकेशन कर घटनाओं सुलझाने का प्रयास करेंगे। राज्य में तथा राज्य के बाहर के बड़े बूटलेगरों के सामने मनी लान्डरिग का केस कर उनकी सम्पत्तियों को जब्त भी किया जायेगा। बडे बूटलेगरों की यादी भी तैयार की गया है, डी.जी.पी. झा ने पत्रकारों को बताया था पुलिस भवन में उच्च पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

## आम आदमी को सस्ती और प्रभावी दवा मुहैया कराएं दवा उद्यमी: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने दवा उत्पादकों से आगामी दो दशकों को ध्यान में रखते हुए लोगों को उचित मूल्य पर दवाई और स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नई-नई बीमारियों के खिलाफ रक्षात्मक उपचार के रूप में सस्ती और प्रभावी दवा मुहैया कराने का जनसेवा दायित्व दवा उद्योग को निभाना है। सोमवार को गांधीनगर में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से भारतीय फार्मास्यूटिकल्स निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) की ओर से आयोजित इंटरनेशनल फार्मास्यूटिकल एंड हेल्थ केयर एक्जीबिशन (आईफेक्स) का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। 10 से 11 जून, 2019 के दौरान आयोजित इस प्रदर्शनी में 120 देशों के 370 प्रदर्शकों सहित देश-विदेश के 700 से अधिक व्यवसायी शिरकत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दवा उद्योग को महज एक व्यवसाय के तौर पर न देखते हुए इसे जनसेवा के लिए ईश्वर द्वारा उपलब्ध कराए गए अवसर के रूप में लेने का सभी से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प होना चाहिए कि आम आदमी को गंभीर या अन्य बीमारियों में सस्ती दरों पर दवाइयां सरलता से उपलब्ध हों। दवा उद्यमियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत गरीब आदमी को भी सस्ती और श्रेष्ठ दवाइयां सुलभ कराने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प में वे भी निष्ठा से सहभागी बने।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)